जय रघुनंदन जय सियाराम बोले जा मन सुबहो शाम लिरिक्स

जय रघुनंदन जय सियाराम,
बोले जा मन सुबहो शाम,
तेरे बन जाये बिगड़े सभी काम है,
तेरे बन जाये बिगड़े सभी काम है,
बोलो जय श्रीराम बोलो जय श्रीराम।bd।

तर्ज – अब है नींद किसे।

एक थी कोई पत्थर की शिला,
जाने कब से पड़ी थी मन मार,
चरण कमल छूये नार बनाया,
प्रभु राम जी किये है उद्धार,
इनके चरणों मे ऐसी गजब बात है,
इनके चरणों मे ऐसी गजब बात है,
भक्त के दिल मे बसते मेरे राम है,
बोलो जय श्रीराम बोलो जय श्रीराम।bd।

पार करा नदियाँ केवट कहे,
सुनो मेरी करुणानिधान,
नैया उतराई मुझे मोक्ष मिले,
प्रभु मधुर दिए मुस्कान,
रघुवर जी का ये ही तो अंदाज़ है,
रघुवर जी का ये ही तो अंदाज़ है,
बोलो जय श्रीराम बोलो जय श्रीराम।bd।

शबरी बिचारी दर्शन की दुखारी,
प्रभु सुध लिए आ गये द्वार,
खाये झूठे बेर बने प्रेम के पुजारी,
दिया प्रेम का अनोखा उपहार,
दिल से कोमल हृदय में भरा प्यार है,
दिल से कोमल हृदय में भरा प्यार है,
बोलो जय श्रीराम बोलो जय श्रीराम।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जय रघुनंदन जय सियाराम,
बोले जा मन सुबहो शाम,
तेरे बन जाये बिगड़े सभी काम है,
तेरे बन जाये बिगड़े सभी काम है,
बोलो जय श्रीराम बोलो जय श्रीराम।bd।

Singer – Mukesh Kumar Meena

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com